हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पीएम श्री विद्यालयों में पाठ्येतर गतिविधियों पर भी फोकस करें- कलेक्टर

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने पीएम श्री विद्यालयों के विषय में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पीएम श्री विद्यालयों में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम आना चाहिए। यह विशेष श्रेणी के विद्यालय हैं, इनको अन्य विद्यालयों के लिए आदर्श स्थापित करना होगा। कलेक्टर ने कहा कि इन विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षा के साथ पाठ्येतर गतिविधियों पर भी फोकस करें ताकि बच्चों की प्रतिभा को निखरने का अवसर मिले। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय परिसर में अतिरिक्त कक्ष, अटल टिंकरिंग लैब व खेल मैदानों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण करवाएं। तीन विद्यालयों में कार्यों के प्रारंभ न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में देरी न की जाए इन्हें अविलंब शुरू कराएं। कलेक्टर ने सभी विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में फस्ट एड किट, स्वच्छ पेयजल तथा स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पानी की टंकी की नियमित मासिक सफाई आवश्यक रूप से कराएं और इसका रजिस्टर संधारित करें, जिससे निरीक्षण के दौरान इसकी जानकारी मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि स्कूलों में समुदाय के लोगों के बच्चे पढ़ते हैं इसलिए लोगों की भागीदारी से भी कुछ कार्य कराए जा सकते हैं। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े, एपीसी श्री मुकेश पाण्डेय सहित जिले के 18 पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्य मौजूद रहे।

स्कूल समय में शराब खरीदती नजर आई छात्रायें

शिक्षा और शराब के प्रति कितना गंभीर प्रशासन

*** शिक्षा की प्रगति के विरूद्ध काम कर रहे अधिकारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

शिक्षा को लेकर जिले की जो परिस्थिति है वह किसी से छिपी नहीं यहां विभाग के उच्चाधिकारी जहां खुलेआम रिश्वत लेते पकड़ायें जाते हों और अन्य अधिकारी जो फिलहाल सज्जनों की श्रेणी में खड़े नजर आते हैं कारण यह कि उन्हें इस तरह पकड़ा नहीं गया है लेकिन वे भी पैसे कमाने के लिये हर वह हथकंडा अपना रहे हैं जिससे मोटा माल कमाया जा सके। शिक्षकों का नियम विरूद्ध संलग्नीकरण, स्थानांतरण, छात्रावास अधीक्षकों की पदस्थापना, उनका स्थानांतरण आदि ऐसे विषय हैं जिनके माध्यम से लाखों रूपयों सुविधा शुल्क चर्चा में आती है। यह सिलसिला वर्षो से जारी है लेकिन जिला प्रशासन के द्वारा आज दिनांक तक कोई ठोस कार्यवाही की गई हो ऐसा उदाहरण नहीं मिलता।

अब दूसरी ओर शराब की बात करें तो मण्डला जिला जिसे शासन द्वारा पवित्र नगरी घोषित किया गया है और तात्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने माँ नर्मदा के प्रति अपनी एवं अपने शासन की श्रद्धा प्रगट करते हुये नर्मदा तट पर शराब के किसी भी तरह के परिवहन एवं विक्रय को प्रतिबंधित कर दिया लेकिन दुर्भाग्य कि शासन के ही अधिकारी आज परोक्ष रूप से नर्मदा तट पर शराब के विक्रय एवं परिवहन में सहयोग कर रहे हैं। इसके पीछे भी सिर्फ और सिर्फ नगद नारायण की ही कहानी है। शराब के इस अवैध धंधे से प्रत्येक माह लाखों रूपये बिना कमाये जो मिल रहे हैं जहां शासन माँ नर्मदा के प्रति अपनी आस्था प्रगट कर रहा है तो वहीं ये अधिकारी न केवल शासन के निर्देशों की अव्हेलना कर रहे हैं बल्कि माँ नर्मदा का सम्मान भी नहीं कर पा रहे।

स्थिति यह हो गई है कि पहले जहां कुछ गिनी-चुनी दुकानों से ही शराब का विक्रय होता था अब हर गली-मौहल्ले हर छोटे-बड़े ग्राम में देशी एवं अंग्रेजी शराब आसानी से उपलब्ध हो रही है और यह बड़ों तक सीमित नहीं बल्कि बच्चे भी इस धंधे में शामिल नजर आते हैं यही कारण है कि पहले जो शराब को लेकर बच्चों में एवं स्कूली छात्रों में झिझक होती थी वह समाप्त हो गई है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण कल आई वह तस्वीर है जिसमें स्कूली छात्रायें स्कूल गणवेश में स्कूल समय में शराब दुकानों से बेफिक्र होकर शराब खरीदती दिखाई दे रही हैं।

क्या है मामला

जिले के नैनपुर नगर की एक शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। दिनांक 24 अक्टूबर 2025 की इस तस्वीर में स्कूल ड्रेस पहने हुए कुछ छात्राएं शराब दुकान से शराब खरीदते हुए दिखाई पड़ रही हैं। इस घटना को समाजसेवी दीपक शर्मा, नैनपुर द्वारा मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया गया। यह फोटो सोशल मीडिया में कुछ ही समय में इस कदर वायरल हो गई कि फोटो ने अनेक प्रश्नों को जन्म दे दिया। स्कूल समय पर ये बच्चियां स्कूल से बाहर कैसे आ गईं? दूसरा, ये बच्चियां अगर शराब खरीदने पहुंची तो सेल्समैन ने इन्हें इन बच्चियों को शराब क्यों और कैसे दे दी जबकि शासन प्रशासन के सख्त निर्देश हैं, कि नाबालिगों को नशे की कोई भी वस्तु बेचना गैरकानूनी है। फिर, इतनी गैरजिम्मेदाराना हरकत करने की हिम्मत शराब व्यापारी और उसके सेल्समैन ने कैसे की? स्कूल टाइम में बच्चियां का स्कूल से बाहर आना, स्कूल प्रशासन पर अनेक प्रश्न खड़े कर रहा है।

इस मामले में जब विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी (बी.ओ.) से जानकारी लेने के लिए फोन पर सम्पर्क किया गया तो, उन्होंने हमेशा की भांति इस मुद्दे से बचने के लिए फोन नहीं उठाया। विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी के द्वारा शिक्षा सम्बंधित ज्वलंत मुद्दों पर अनदेखी किये जाने का यह पहला अवसर नहीं है। ऐसे में जिला प्रशासन को शिक्षा विभाग के अपने दायित्वों के प्रति गैरजिम्मेदाराना व्यवहार करते ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने की आवश्यकता है। ताकि, जिले के बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो।

एसडीएम ने शराब दुकान का लिया जायजा

जैसे ही स्कूली छात्राओं के द्वारा शराब खरीदने का यह मामला चर्चा में आया तो आनन-फानन में प्रशासनिक अधिकारियों के बीच हड़कम्प मच गया शिक्षा अधिकारी भी जबाव देने की स्थिति में नहीं रहे और शाम तक यह हुआ कि नैनपुर एसडीएम अन्य अधिकारियों के साथ उस शराब दुकान पहुंचे जहां से स्कूली छात्राओं ने शराब खरीदी थी यह तो ज्ञात नहीं हुआ कि शराब दुकान संचालक पर क्या कार्यवाही की गई।

स्व.श्री श्यामलाल जी धुर्वे एक समर्पित राजनेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

संसदीय क्षेत्र मंडला के अंतर्गत घुघरी क्षेत्र के निकटस्थ ग्राम बम्हनी के एक छोटे से गांव में श्री श्याम लाल धुर्वे जी का जन्म 25 अक्टूबर 1934 को हुआ। श्री धुर्वे 1972 से 1977 तक विधायक रहे तत्पश्चात 1977 से 1979 तक सांसद पद पर आसीन रहे। श्री धुर्वे जी का देहावसान 21 फरवरी 1997 को हुआ।

लगातार धुंधलाती जा रही राजनीति के परिदृश्य में अनेक चमकदार किरदार भी हुए हैं, हमारी इस नर्मदा पटटी पर । जिस पर हम सदैव गर्व कर सकते हैं, ऐसे बिरले उदाहरणों में एक नाम हमें सदैव स्मरण रहेगा, वो नाम है स्वर्गीय श्री श्यामलाल जी धुर्वे का । विपन्न और साधनहीन ग्रामीण कृषक आदिवासी परिवार में जन्मे और तत्कालीन जनसंघ (जनता पार्टी) और वर्तमान की भारतीय जनता पार्टी में सांसद जैसे अहम पद तक आगे कदम बढ़ाये, पर अपनी जमीनी सरलता ईमानदारी और सेवा भाव का जज्बा कभी कम नहीं होने दिया। विधायक और सांसद निर्वाचित होने तक के उनके राजनैतिक सामाजिक सफर में कई यादगार लम्हें उनके उत्कृष्ट व्यक्तित्व के साक्षी बने जिनमें से कुछ का उल्लेख समीचीन होगा। सांसद पद की शपथ में जाने हेतु उनके पास तो नंगे पैरों में जूते भी नहीं थे। किफायती प्लास्टिक के बरसाती जूते खरीदकर भी चेहरे में संतोष और आत्मविश्वास से भरी झलक भुलाई नहीं भूलती। उन्हीं दिनों एक और वाक्या रेखांकित करने योग्य है, तब जबकि संसद में रखे गये अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सदन से अनुपस्थित रहने के एवज में लाखों रूपयों की पेशकश ठुकराने में उन्हें एक सेकंड भी देर नहीं लगी। पार्टी संगठन के प्रति निष्ठा का यह एक अनूठा उदाहरण है ऐसे सहज सरल मितभाषी व्यक्तित्व के धनी आम जनों के बीच मिल बैठकर उनकी समस्याओं के समाधान हेतु तत्पर रहने वाले स्वर्गीय श्री श्यामलाल जी धुर्वे को उनके इस गौरवपूर्ण कार्यक्रम में स्मरण करते हुए शत-शत नमन एवं हार्दिक श्रद्धांजलि।

श्री श्यामलाल धुर्वे जी की प्रतिमा का अनावरण आज उनके गृह ग्राम बम्हनी में किया जा रहा है। हम सभी भाजपा कार्यकर्ता आभारी हैं, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं वर्तमान सांसद श्री फग्गनसिंह कुलस्ते जी के, जिन्होंने इस स्मृति स्थल परिसर एवं वाटिका के निर्माण हेतु व्यक्तिगत रूचि लेकर स्वयं की निधि से आवंटन उपलब्ध कराया है। आशा है, कि यह पुनीत स्मृतिस्थल हम समस्त पार्टी संगठन कार्यकर्ताओं के लिए ही नही वरण समूचे अंचल की आने वाली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा पुंज के रूप में सदैव मार्ग प्रशस्त करेगा।

भूमिपूजन ध्वजारोहण कार्यक्रम रविवार को

मण्डला। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वाधान में स्थानीय कुंभ स्थल महिष्मति घाट में विराट 108 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ का आयोजन 17 से 20 नवम्बर तक आयोजित होने जा रहा है जिसका भूमिपूजन ध्वजारोहण कार्यक्रम रविवार 26 अक्टूबर दोपहर 12 बजे से किया जा रहा है। इस भूमिपूजन ध्वजारोहण कार्यक्रम में दिवाकर सिंह कुलपति सरदार पटेल विश्व विद्यालय बालाघाट की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि श्रीमती संपतिया उईके केबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मध्यप्रदेश शासन तथा विशिष्ट अतिथि विनोद कछवाहा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद की उपस्थिति में किया जाएगा। युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के संकल्प मानव में देवत्व का उदय और धरती पर स्वर्ग का अवतरण को साकार करने के उद्देश्य से गायत्री परिवार की संस्थापिका माता भगवती देवी शर्मा के सूक्ष्म संरक्षण में उक्त भूमि पूजन कार्यक्रम में नगरवासियों एवं जिले के सभी नागरिकों से शामिल होने आग्रह किया गया है। कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है।

लापरवाह पंचायत प्रतिनिधि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले के विकासखण्ड नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकोसी मे पदस्थ कर्मचारियों के अनियमित्ताओं के खिलाफ गली-गली लोंगो मे चर्चाएं हो रही है, ग्रामीणों का आरोप है कि सचिव, सहायक सचिव लम्बे समय से बिना जानकारी के कार्यालय नहीं आ रहे है, आ भी रहे है तो कोई काम समय मे नहीं किया जा रहा है जिससे अन्य योजनाओं कार्यों से ग्रामीण वंचित हो जाते है, ग्रामीणों का कहना है की पंचायत कार्यालय मे महीनों से चक्कर काटने के बाद भी काम समय मे पूर्ण नहीं हो रहा है,जिससे अन्य दस्तावेजों से संबंधित कार्य प्रभावित हो रहे है, इनकी कार्यशैली से ग्रामीण नाखुश है। ग्रामीणों का ये भी आरोप है सचिव को फोन करने फ़ोन उठाते नहीं जिससे लोग उन्हें पंचायत से जनपद कार्यालय तक ढूढ़ते फिरते है ऐसे लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्यालय मे ताला बंदी हड़ताल के लिए अब ग्रामीणों ने मन बना लिया है।

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी विद्यालय में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन

*** मण्डला कलेक्टर सोमेश मिश्रा रहे मौजूद।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

स्वस्थ्य शरीर, स्वस्थ्य मस्तिष्क की तर्ज पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी स्कूल में विस्तृत रूप से खेल दिवस आयोजित हुआ, जिसमें कलेक्टर सोमेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।खेल कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण से की गई जिसके पश्चात बच्चों का जीवन ज्ञान की रोशनी से सुसज्जित होने के प्रतीक स्वरूप टार्च लाईटिंग कराई गई।

स्कूल के सभी बच्चों ने शानदार बॉडी वेलनस दिखाते हुए अपनी दक्षता के अनुसार समकालीन तरीके से क्रमबद्ध मार्चपास्ट एवं पी टी प्रदर्शन किया, स्कूल के बच्चों ने कलात्मक, जिमनास्टिक, भारतीय ओलंपिक विजेता पर डांस ड्रामा, टीम इंडिया डांस, कलात्मक योगा, महान धावक मिल्खा सिंह पर नाटकीय जीवनी, जुंबा डांस, पीटी ड्रिल्स प्रस्तुत किया जिसे मुख्य अतिथि एवं अभिभावकों ने बहुत सराहा।

स्कूल के वार्षिक खेल दिवस में विभिन्न प्रकार की रेस जैसे 100 मीटर, 200 मीटर, रिले रेस एवं थीम रेस आदि प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने राज्य व नेशनल स्तर के खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया एवं अपने सम्बोधन द्वारा बच्चों को प्रेरित किया। कार्यकम के अन्त में सभी विजेताओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। खेल दिवस में सीनियर चैम्पियनशिप सूरज शुक्ला, जूनियर चैम्पियनशिप पाखी सिहारे और सब जूनियर चैम्पियनशिप मानवी नेताम के द्वारा जीती गई। खेल दिवस की अध्यक्षता ब्रेन चाइल्ड एकेडमी स्कूल के डायरेक्टर निशांत शुक्ला, स्कूल प्राचार्या दिव्या शुक्ला एवं संचालन वरिष्ठ कॉर्डिनेटर राजुल सिहांनी व सोनिया जैन के द्वारा किया गया, जिसमें खेल शिक्षक अभिषेक यादव एवं रवि ठाकुर की विशेष भूमिका रही।

प्रदर्शन | **एलपीजी वितरकों का आंदोलन, काली पट्टी बांधकर किया कार्य।**

अनिश्चितकालीन हड़ताल की दी धमकी

*** मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के आह्वान पर मंडला जिले में आज से चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत हो गई। आंदोलन के पहले चरण में जिले के सभी एलपीजी वितरक और उनके कर्मचारी काली पट्टी बांधकर कार्य कर रहे हैं। वितरकों ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा, जिसमें डिलीवरी चार्ज एवं प्रशासकीय शुल्क में वृद्धि की मांग की गई है।

एसोसिएशन का कहना है कि वर्ष 2019 तक नियमित रूप से वितरकों के सेवा प्रभार में वृद्धि की जाती रही, लेकिन वर्ष 2020-21 के बाद से अब तक कोई समुचित वृद्धि नहीं की गई है। कोविड-19 के बाद मई 2022 में की गई बढ़ोतरी भी बहुत कम रही, जिससे वितरकों में भारी असंतोष व्याप्त है।

वितरकों ने बताया कि जहां सरकारी कर्मचारी एवं ऑयल कंपनियों के अधिकारी हर वर्ष महंगाई भत्ता प्राप्त करते हैं, वहीं एलपीजी वितरकों के डिलीवरी एवं एडमिनिस्ट्रेटिव चार्ज में दो वर्षों से कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इससे उनका व्यवसाय चलाना कठिन हो गया है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (आई) की 17 अक्टूबर 2025 को हुई राष्ट्रीय बैठक में तय किया गया था कि जब तक आरएस75 प्रति सिलेंडर की वृद्धि नहीं की जाती, तब तक आंदोलन चरणबद्ध रूप से जारी रहेगा। पहले चरण के तहत मंडला सहित पूरे देश में आज से काली पट्टी बांधकर विरोध शुरू हो गया है। दूसरे चरण में 29 अक्टूबर 2025 को प्रदेश की राजधानियों, जिला एवं तहसील मुख्यालयों पर मशाल जुलूस और मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। तीसरे चरण में 6 नवंबर 2025 (गुरुवार) को नो मनी, नो इंडेंट आंदोलन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत वितरक न तो खाते में पैसा जमा करेंगे और न ही इंडेंट करेंगे।

एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि भारत सरकार ने उनकी उचित मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो वितरक अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए विवश होंगे। वितरकों ने कहा कि वे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा देने के साथ अपने अधिकारों की रक्षा के लिए यह आंदोलन कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी।

खबर संक्षेप

सरकारी बैकों में दलालों का राज, ग्रामीणों का नहीं होता बगैर पैसों का काज

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण कस्बे में निवास करने वाले किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाए चलाई जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रिडिट कार्ड, फसल बीमा योजना आदि शामिल है, किसानों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोली गई है, मगर अक्सर देखा जाता है कि इन बैकों में बैठे अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों को शासन की योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है, इसका उदाहरण इस समय शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंक में आसानी से देखा जा सकता है, जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा आरोप लगाते हुए बताया है कि इन बैकों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के किसान बैंक के चक्कर लगाने पर मजबूर हो रहे है? क्षेत्र के कुछ किसानों ने हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए बताया किइन दिनो क्षेत्र की बैंकों में कुछ दलाल काम कराने की दिशा में सक्रिय है, वही किसान अपना किसान केरडिट कार्ड बनवाने के लिये परेशान होते देखे जा रहे है, जिसमे क्षेत्र के कुछ ग्रामीण किसान जो कि खेती किसानी कर अपनी जीविका चलाते आ रहे है। वही किसान क्रेडिट कार्ड को बनवाने के लिए गांव से चलकर शहर पहुंचता है तो अधिकारियों द्वारा उसे कार्ड बनबाने के लिए सीधे दलालों के पास जाने की सलाह दे देते है? जब वह उनके पास पहुचता है तो सीधे 10 से लेकर 20 प्रतिशत राशि की बात पर ही कार्ड बनाने की बात कही जाती है? इस स्थिति में जब किसान अधिकारियों से चर्चा करते है तो बैकों अधिकारियों द्वारा उस किसान को महिनों तक घुमा घुमाकर परेशान कर दिया जाता है, इस स्थिति में या तो किसान अपना कार्ड बनबात ही नही है या फिर उसे मजबूरी में बैकों द्वारा पाले गये दलालों की शरण में ही जाना पड़ता है? इस प्रकार के दलाल शहरों की बैको से लेकर ग्रामीण बैकों में आसानी से देखने मिल सकते हैं।

प्रदेश स्तरीय माने जाने वाले मार्ग क्रमांक 44 पर सांईखेड़ा व कौड़िया के अंदर आये दिन बन रही जाम की स्थिति

प्रभावशाली लोगों द्वारा सड़कों पर ही खड़े किये जाने वाहनों से किसी दिन घटित हो सकती है बड़ी घटना..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय देखा जा रहा है कि संपूर्ण क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या के चलते सड़कों पर धमाचौकड़ी मची रही है। वही दूसरी ओर लोडिंग वाहनो की धमाचौकडी से ग्राम के अंदर से निकले मुख्य रास्तों पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रदेश स्तरीय माने जाने वाले मार्ग क्रमांक 44 जो गाडरवारा से झिकोली होते हुये प्रदेश की राजधानी के ओर जाता है। इस मार्ग पर लगातार बिगड़ रहे यातायात के चलते लोगों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर तो होना ही पड़ रही है। वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी खतरे में दिखाई देने से भी नही चूक पा रही है..? यदि क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय दादा धूनी वालों की नगर सांईखेड़ा में तो स्थिति इस प्रकार से बन चुकी है कि सांईखेड़ा के अंदर से निकल रहे भारी भरकम वाहन जहां खुलेआम आम लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने के साथ साथ ग्राम के लोगों को परेशानी का कारण बने हुये है। बताया जाता है कि प्रदेश स्तर के माने जाने वाला यह मार्ग नगर के अंदर से निकला हुआ है, जिसके चलते नगर के अनेक प्रभाव शाली लोगों के बड़े बडे वाहन मुख्य सड़क किनारे खड़े रहने की स्थिति में नगर के अंदर आये दिन जाम की स्थिति पैदा होने के कारण जहां लोगों को अपने वाहन निकलने में घंटों लग जाते है। इस स्थिति में यदि कोई इस जाम में मरीज फस जावे तो उसका भगवान ही मालिक होता है...? इतना ही नही जब यहां पर साप्ताहिक बाजार का दिन होता है उस दिन की स्थिति और भगवान रूप लेने से नही चूकती है। इस सच्चाई को लेकर हरिभूमि द्वारा लगातार आवाज उठाये जाने के बाद भी तो प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही जिम्मेदार माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसके चलते आये दिन स्थिति में सुधार होने की जगह बिगड़ते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर सड़क किनारे खड़े होने वाली वाहनों की सच्चाई को लेकर भी पुलिस द्वारा नजर अंदाज किया जाना निश्चित ही पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खड़े करने से नही चूक पा रहा है..? कुछ इसी प्रकार का हाल समीपस्थ समीपस्थ ग्राम कौड़िया में भी देखने मिल रही है। ज्ञात हो कि गाडरवारा करेली मुख्य मार्ग जो राष्ट्रीय स्तर का सड़क मार्ग में होने के कारण इस मार्ग पर प्रतिदिन वाहनों को दवाब होने से दिन भर इस मार्ग पर वेखौप दौडते वाहनो से पूर्व में अनेक छोटी बड़ी घटनाएं घटित हो चुकी है। मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा किसी प्रकार का ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि लोगों द्वारा जहां अपने घरों के सामने वाहन खड़े कर दिया जाता है या फिर निर्माण सामग्री ही सड़क किनारे रख दी जाती है, जिसके चलते ग्राम के अंदर आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणमा है कि सड़क किनारे वाहना खड़े करने वालों के हौसले लगातार बुलंद होते हुये दिखाई दे रहे है। वही दूसरी ओर ग्राम के अंदर संचालित होने वाले चाय पान के ढेलो दुकानो पर छोटे वाहन चालको द्वारा सड़क पर ही अपने वाहन खडे कर चाय पान में मग्न हो जाते है। बाकी कसर आटो अन्य वाहन वालो द्वारा पूरी कर दी जाती है जो बीच सडक पर वाहनो को खड़ा करके सवारियों का इंतजार करते है । जिसके चलते यहां से निकलने वाले लोगों की जान को सदा ही खतरा बना रहता है? ग्राम के बीचों बीच से निकले इन मुख्य मार्गो को लेकर ग्रामवासियों द्वारा शासन प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि यदि ग्राम के बाहर से वायपास मार्ग का निर्माण हो जाता है कि इस समस्या से जहां निजात मिल सकती है। वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी भी खतरे से मुक्त हो जावेगी, मगर इस ओर अभी तक किसी भी प्रकार से ध्यान नही देना निश्चित ही लगता है कि शायद प्रशासन से लेकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा सांईखेड़ा व कौड़िया में किसी बड़ी घटना घटित होने का इंतजार किया जा रहा है।

असुरक्षित स्टेशन पर बढ़ी समस्याएं, देर रात तक रहता है असामाजिक तत्वों का बोलबाला

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आये दिन जिस प्रकार से रेल पुलिस द्वारा चोरों व लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले वाहरी आरोपियों को पकड़ते हुए जिस प्रकार से अखबरों की सुर्खियों में छाने का प्रयास किया जाता है मगर रेल पुलिस की इस सफलता पर प्रश्न चिन्ह उस समय देखने से नही बच पाता है जब नगर की रेल्वे स्टेशन पर फैली हुई अव्यवस्थाओं के बीच रेल यात्रियों को दहशत में देखा जाता है। ज्ञात हो कि यहां के रेल्वे स्टेशन से शहर सहित दो से अधिक विकासखंडों के दायरे में आने वाले लगभग 200 गांवों से से लेकर दूसरे यानि की रायसेन जिले के यात्री भी यही से रेल यात्रा करने के लिए पहुंचते है। इस प्रकार से सैंकड़ों यात्री प्रतिदिन अपने कारोबार के सिलसिले में जबलपुर सहित अन्य स्थानों में अपडाऊन करते हैं । बावजूद इसके रेल यात्रियों को स्टेशन पर बहुत कम सुविधाएँ मिलते हुए देखी जा रही है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इन रेल यात्रियों की सुरक्षा पूर्णरूप से भगवान भरोसे ही चल रही है। क्योंकि रेल्वे पुलिस प्रशासन द्वारा गंभीरता से ध्यान न देने की स्थिति में नगर के रेल्वे स्टेशन की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि रात के समय प्लेट फार्म पर खुलेआम आसामाजिक तत्वों को भ्रमण करते हुए देखा जाता है जो आये दिन रात के समय प्लेट फार्म पर बैठी हुई या फिर ट्रेनों का इंतजार करने वाले मुसाफिर खाने में सो रही महिलाओं के साथ अभद्रता करने से भी नही चूकते है। वही कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से भी देखी जाती है कि चंद मिनिटों के अंदर रेल यात्रियों का समान पार होने से भी नही चूकता है। इस प्रकार से रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पूर्णरूप से भगवान भरोसे होने के कारण रेल यात्री लगातार दहशत में दिखाई दे रहे है। वही बताया जाता है कि अप और डाऊन प्लेटफार्मों की बाउन्ड्री बाल टूटने से स्टेशन पर असामाजिक तत्वों की कारगुजारियाँ के चलते रात के समय महिलाओं का यहां पर रूक पाना मुश्किल जान पड़ रहा है वे अपने आप को असुरक्षा का भी अहसास करते हुए देखी जा रही है। यदि रेल पुलिस की बात की जावे तो कभी काल ही यहां पर आन डियूटी पुलिस कर्मी नजर आते है? यह बात जरूर है कि रेल पुलिस कर्मी आन डियूटी के प्लेट लगाकर स्टेशन की जगह शहर की गलियों में जरूर नजर आते है, जिसके चलते रेल डियूटी चार्ट में तो रेलवे स्टेशन की सुरक्षा दिखाई देती है मगर हकीकत कुछ और ही बनी हुई है।

आज भी आदिवासी पुस्तैनी धन्धे से कर रहे है अपना जीवन यापन

हरिभूमि न्यूज/ सिंहपुर छोटा। केन्द्र व प्रदेश की सरकारो द्वारा भले ही आदिवासियों के उत्थान अनेकों जनकल्याणकारी योजनायें चलाकर उनको लाभान्वित करने की बात कही जा रही है, मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो आज भी आदिवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ न मिलने पर वे पूर्वजों के समय से चल आ रहे पुस्तैनी धन्धा करके अपना जीवन यापन करने को मजबूर है,इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम गोटीटोरिया वनांचल क्षेत्र में देखने मिल रही है, जहां पर आज भी आदिवासी प्रति रविवार गाडरवारा आकर बाबेर, लाठी, झाड़ू, माहौल के पत्ता बेच कर रहे है, इन आदिवासियों को कई किलो मीटर वन क्षेत्र से पैदल चलकर ग्राम गोटीटोरिया से बस में भाड़ा देकर गाडरवारा बेचने आना पड़ता है,जो प्रत्येक रविवार को नगर में आने वाले आदिवासी द्वारा माहौल का पत्ता जिससे दोना पत्तल बना करते थें। मगर अब इन पत्तो से निर्मित होने वाले दोना पत्तलों की जगह कागज ने ले ली गई है जिसके चलते अब इन पत्तलों का उपयोग मात्र पान दुकानों पर होते हुए देखा जा रहा है, जिसके चलते इनकी पूछ परख में कमी देखने मिल रही है। मगार इसके बाद भी बाजार में उनको माहौल पत्ता का मरका जिसमें 80 से लेकर 100 जुन्डी पत्ता की रहती है 150 रूपया तथा कावर जिसमें 200 से 250 माहौल पत्ता की जुन्डी रहती है 200 रूपया से लेकर 250 रूपया विका करता है जिसके चलते इतनी मेहनत के बाद चंद रूपया में बिकने वाले इन पत्तों के भरोसे ही यह लोग अपना जीवन काटने के लिए मजबूर देखे जा रहे है, ये आदिवसी ग्राम कौआआम, बरियाढाना, भिलमाढाना, चारगांव एवं छिंदवाड़ा जिले से लगी वार्डर से तक यहां पर पहुंचते है।

नगर पालिका परिषद की विशेष बैठक में नगर विकास के मुद्दों सहित एक राष्ट्र एक चुनाव प्रस्ताव को सर्व सम्मति से किया पारित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय नपा के सभागार कक्ष में बीते हुये दिवस नगर पालिका अध्यक्षक शिवाकांत मिश्रा की मौजूदगी में नगर पालिका परिषद का विषेष सम्मेलन आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस सम्मेलनक के दौरान नगर विकास के साथ साथ मुख्य रूप से एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन हेतु प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत हुआ। जिसके अवलोकन उपरांत प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। क्योंकि बार-बार चुनावों से भारी प्रशासनिक खर्च और संसाधनों की बर्बादी होती है, एक साथ चुनावी होने के चलते जहां शासकीय राशि खर्च में भारी कमी आएगी और सुरक्षा बलों सहित शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों को चुनावी ड्युटी से निजात मिलेगी। वही दूसरी ओर जब भी कोई चुनावी प्रक्रिया को संपन्न कराया जाता है तो उसके नियमों का पालन करने के लिये बार-बार चुनाव आचार संहिता लगने से विकास परियोजनाओं में रूकावट भी होती है। इसके अलावा मतदाओं को भी एक बार मतदान करने में परेशानी नहीं होगी। नपा की बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि एक राष्ट्र एक चुनाव एक क्रांतिकारी कदम है जो भारत के लोकतंत्र को अधिक मजबूत परदर्शी और कुषल बना सकता है। इससे न केवल सरकार के कार्यो से निरंतरता आयेगी बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता भी सुदृढ़ होगी। इसके आलवा परिषद की बैठक में मुख्य रूप से दूसरा प्रस्ताव आत्मनिर्भर भारत हेतु संकल्प पारित करने बाबत रखा गया जिसके अवलोकन उपरांत सभी उपस्थितजनों ने सर्वसम्मति से पारित करते हुये संकल्प लिया कि अपने दैनिक जीवन में अधिकतम भारतीय उत्पादों का उपयोग करेंगे तथा घरेलू कार्य और समाज में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देंगे एवं युवाओं और बच्चों को स्वदेषी अपनाने के लिये प्रेरित करेंगे। तीसरा प्रस्ताव केन्द्र सरकार द्वारा जारी जीएसटी 2.0 रिफार्म के समर्थन में रखा गया, जिसके अवलोकन उपरांत केन्द्र सरकार के उक्त कदम में सराहनीय मानते हुये ऐतिहासिक निर्णय स्वीकार किया गया, इससे समस्त वर्गों किसानों, व्यापारियों, महिलाओं, युवाओं और मध्यम वर्ग सहित प्रमुख क्षेत्रों को लाभ पहुंचाने के लिये बनाया गया है। साथ ही ये दक्षता, पारदर्षिता और व्यापार करने में आसानी बढाता है। उक्त निर्णय की सभी उपस्थितजनों ने सराहना करते हुये सर्वसम्मति से पारित किया गया। आयोजित की गई नपा में परिषद की बैठक में प्रमुख रूप से नपा अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा, मुख्य नपा अधिकारी वैभव देषमुख, नपा उपाध्यक्ष वैशाली रीतेष राय, पार्षद सभापति सुरेन्द्र गुर्जर, चंद्रकांत शर्मा, शुभम सुनील ठाकुर, चंचल कोरी, श्रीमति पूजा तिवारी,, जितेन्द्र जायसवाल, कमल खटीक, श्रीकांत राय, श्रीमति राजकुमारी सतीष कौरव, श्रीमति मंजू राडवे, श्रीमति आरती कमलेष विश्वकर्मा, अर्चना रामेश्वर धानक के अलावा नपा अधिकारी कर्मचारी एई सत्यम जाट, जयंत ब्राउन, जन्मेजय कौरव, विशाल सिंह राठौर, प्रवीण सोनी, इंजी संध्या उइके, अनिल साहू, दीपक साहू, मिथलेश गुप्ता, अनुराग दुबे, हीरेश साहू, मोनू बाल्मिक सहित अन्यकर्मचारीगण मौजूद थे।

जप्त की गई भारी मात्रा में अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में जिस प्रकार से अवैध शराब की विक्री होते हुये देखी जा रही है उसके चलते निश्चित युवा पीढ़ी शराब के नशें की गिरफ्त में आने के चलते जहां उनकी जिन्दगी बर्बाद होने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर अनेक प्रकार अपराध भी जन्म ले रहे है। क्योंकि जिस तरह गांवों में किराना दुकानों पर शराब का अवैध कारोबार चल रहा है। वही इस सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रहा है कि क्षेत्र में संचालित होने वाले ठेकों के माध्यम से नियम विरूद्ध गांव गांव शराब सप्लाई की जा रही है इसी के चलते यह अवैध कारोबार दिन दुगना रात चौगना तरक्की करते हुये देखा जा रहा है..? क्योंकि शराब का अवैध कारोबार करने वालों द्वारा कच्ची महुआ की शराब का तो खुद ही निर्माण कर लेते है। मगर जिस तरह गांव गांव देशी प्लेन व अंग्रेजी शराब का विक्रय हो रहा है उसका निर्माण तो करना संभव हो ही नही सकता है। वही शराब तो निश्चित तौर से गांव गांव इन ठेके द्वारा नियम विरूद्ध विक्रय करने के चलते ही पहुंच रही होगी..? क्योंकि शराब ठेको द्वारा शराब विक्रय करने के लिये नियम निर्धारित होते है कि वह किसी व्यक्ति को एक निर्धारित मात्रा में ही शराब का विक्रय कर सकते है..? इस तरह शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना द्वारा सभी थाना प्रभारियों सहित चौकी प्रभारियों को कार्यवाही करने के सख्त आदेश जारी करते हुये **OPERATION EAGLE CLAW** अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी के चलते बीते हुये दिवस सालीचौका चौकी प्रभारी वर्षा धाकड़ को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की समीपस्थ ग्राम पनागर में एक युवक भारी मात्रा में अवैध रूप से शराब रखे हुये है। इस सूचना स चौकी प्रभारी वर्षा धाकड़ द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वही उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के कुशल दिशा निर्देश तथा टीआई विक्रम रजक के मार्ग दर्शन में एक टीम बनाई गई। तैयार की गई टीम में मुख्य रूप से चौकी प्रभारी सालीचौका उप निरीक्षक वर्षा धाकड़, सहायक उप निरीक्षक विक्रम परमार, आरक्षक हरिशंकर पटवा, हेमराज कुशवाहा, जमना प्रसाद रजक, राजेन्द्र धाकड़, सैनिक हेमराज सिंह को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा मुखबिर की जानकारी के अनुसार मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुये एक युवक के पास लगभग 60 लीटर कच्ची महुआ की शराब पकड़ते के बाद जब उससे पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम जमना प्रसाद उर्फ गुल्ला मेहरा निवासी ग्राम पनागर बताया गया। पुलिस द्वारा युवक के पास शराब जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ आवकारी एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये कार्यवाही की गई। इस तरह चौकी प्रभारी वर्षा धाकड़ द्वारा अपने क्षेत्र में एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुये भारी मात्रा में अवैध शराब जप्त करने में सफलता हासिल की गई है।

सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे बगैर नम्बर के वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन के नियमों को ताक में रखकर धड़ल्ले से नवयुवक वाहनो को बेखौफ होकर चलाते देखे जा रहे है। उल्लेखनीय है कि शहर की सड़को तथा गलियों में लहराते हुए नवयुक दुपहियो वाहन लेकर फर्राटे भर रहे हैं और यातायात नियमों का सरेआम उल्लंघन घर रहे है। वाहनों से नम्बर प्लेंटो को तरह तरह से सजाना वाहन मालिको विशेषकर युवा वाहनचालकों का शौक बन गया है, वही कुछ अपने वाहन में नंबर लिखवाना शान के विरूद्ध समझते है, ऐसे वाहन अगर कोई दुर्घटना करते है तो उनकी तलाश पुलिस के लिए एक समस्या बन जाती है। संबंधित विभाग द्वारा चौराहों में खड़े होकर की जाने वाली चालानी कार्रवाई के दौरान नम्बर विहीन वाहनोचालको को नम्बर दर्ज कराने की हिदायत देकर चालानी कार्रवाई की जाती है। लेकिन बाद में कभी ये देखने की जरूरत महसूस नहीं करते कि वाहनों में नम्बर दर्ज है या नही? वाहनो की प्लेंटो पर प्रेस, डॉक्टर का चिन्ह बनवाना अब पुराना फैशन हो गया है। शहर में दर्जनों ऐसे वाहन खुलेआम सड़को पर दौड़ते रहते है, यदि इस प्रकार के वाहन कोई दुर्घटना करते हैं या फिर उनका उपयोग किसी अपराध में किया जाता है तो यह पता करना काफी मुश्किल हो जाता है कि वाहन है किसका है? अतः ऐसे वाहनो का भी सड़कों पर बेधड़क दौड़ना कम खतरनाक नहीं है। हमेशा कोई दुर्घटना हो या ऐसी वारदात जिसमें वाहन का प्रयोग किया गया हों, के होने पर पुलिस के पास वाहन का नम्बर ऐसा अहम सुराग रहता है जिसके माध्यम से वह घटना दुर्घटना का शिकार बनने का, बनाने वाले का पता लगा सकती है, पर अगर वाहन मे नम्बर ही नही है तो सिर्फ गाड़ी के मॉडल या रंग के आधार पर कुछ भी पता हो पाना असंभव सा रहता है, जिस प्रकार से क्षेत्र में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए वाहनों में नम्बर डलवाने के लिए जिला प्रशासन से अपेक्षित पहल आवश्यक है।

पंचायतों से लेकर नगरीय निकायों में पतिराज का बोलबाला होने से सरकार के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को लगा रहा ग्रहण...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

हर क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे पतिराज के बोला बाला के चलते न तो सरकार द्वारा चलाये जा रहे महिला सशक्तिकरण को सफलता मिल पा रही है और नही ही संविधान द्वारा महिलाओं के लिये प्रदान किया गया आरक्षण सफल हो पा रहा है। क्योंकि हमारे देश के संविधान में हर चुनाव के दौरान महिलाओं को आरक्षण देते हुये उनकी सीटे निर्धारित की जाती है जिन पर महिलाये चुनाव लड़कर प्रतिनिधित्व करने के लिये आती है। मगर देखा जाता है कि उनके पतियों के आगे शायद महिलाओं की नही चल पाने के कारण वह पूर्व की तरह मात्र चूल्हा चौका तक सीमित हो जाती है और उनके अधिकारों पर पतिराज अतिक्रमण करते हुये सरकारी कार्यालयों में अपना रौब झाड़ने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई वर्तमान समय में पंचायतों के साथ साथ नगरीय निकायों में आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर अनेक महिला पार्षदों द्वारा तो नगर पालिका में हुये चुनाव के बाद शायद ही नगर पालिका का रूख किया गया हो...? मगर उनके पतिदेव शायद ही ऐसा कोई दिन शेष रहता हो जब नगर पालिका व नगर परिषद कार्यालय में अपना रौब झाड़ने से चूक रहे हो..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पतिराज का बोलबाला यहां तक पहुंच चुका है कि वार्डो से लेकर सरकारी कार्यालयों में महिला जनप्रतिनिधियों की जगह बैठकों में तक पतिदेवों को ही शामिल होते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है...। वही आयोजनों के दौरान महिला जनप्रतिनिधियों के होने वाले सम्मान के दौरान भी इन पतियों को उनके नाम का सम्मान ग्रहण करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। इस तरह पतिराज हाबी होने की स्थिति में निश्चित तौर से सरकार द्वारा महिला सशक्ति करण के लिये किये जा रहे प्रयासों में पर ग्रहण लगने से नही चूक रहा है। गौर किया जावे तो म.प्र. शासन द्वारा त्रिस्तीय पंचायती राज में पंच, सरपंच सहित जनपद व जिला पंचायत में आयोजित होने वाली बैठकों से लेकर अन्य कार्यक्रमों में पतियो तथा उनके परिजनों के शामिल होने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जरूर जारी किये गये थें। मगर उनका पालन शायद की कही होते हुये देखा गया हो और पंचायतों में आयोजन होने वाली ग्राम सभाओं सहित बैठकों में पंचायतो में महिला जनप्रतिनिधियों के जगह उनके पतियों को ही हिस्सा लेते हुये देखे जाने के साथ साथ हाल यह बना हुआ है कि उनके पति व परिजवार के सदस्य अपना रौब दिखाने में पीछे दिखाई नही दे रहे है। इस बात की सच्चाई बीते हुये कुछ दिन पहले समीपस्थ जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली एक पंचायत में पति व बेटे की दबागई की सच्चाई संबंधी सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियों ने उजागर कर दी गई है...? इस तरह महिलाओं के लिये आरक्षित पंचायतों से लेकर नगरीनिकायों के वार्डो में पतिराज का बोल बाला होने के चलते अधिकारियों व कर्मचारियों को भी अपना कार्य करने में परेशानियों का सामना करने के लि मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। आमजन का कहना है कि जब तक इस तरह पतिराज के बोलबाला पर सख्ती से रोक नही लगती है तब तक महिला सशक्तिकरण को सफल होने की उम्मीद करना मात्र एक सपना ही साबित होने से नही चूक पायेगा..? जबकि म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 व म.प्र. नगर निगम अधिनियम 1958 में प्रतिनिधि संबंधी कोई प्रावधान उल्लेखित नही है। इस संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा परिपत्र जारी करते हुये पतिराज पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। वही दूसरी ओर कुछ इसी प्रकार से जिला कलेक्टर अशोक नगर द्वारा भी बीते हुये 16 सितंबर 2022 को अपना एक आदेश जारी करते हुये नगरीय निकायो के अधिकारियों को पत्र जारी करते हुये पति व परिवार राज पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया था। अब सवाल यह पैदा हो रहा है कि जब प्रदेश के अशोक नगर जिले में यह आदेश जारी हुये तीन साल का समय बीत चुका है तो फिर हमारे जिले में देर किस बात की...? आमजन द्वारा मांग की जा रही है कि म1प्र. शासन को महिला सशक्तिकरण को सफल बनाने के लिये इस तरह पति व परिवार राज को समाप्त करने के लिये संपूर्ण प्रदेश में आदेश जारी करना चाहिये।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं नजूल अधिकारी गाडरवारा, जिला-नरसिंहपुर (म. प्र.)
अनुविभागीय कार्यालय, तहसील परिसर गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर 487551 फोन न. 07791-255732, E-mail:- sdmgadarwara121@gmail.com
राजस्व प्रकरण क्रमांक- 0024 अ-20 (4)
वर्ष :- 2025-26 के तहत जारी

ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश्वर आ. स्व. सतीश पांडे, निवासी- चावड़ीवाई, गाडरवारा के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि नजूल नगर गाडरवारा स्थित स्थाई पट्टे की भूमि शीट क्रमांक 14 प्लाट क्रमांक 2/5, 4/2, 5, 6/1, 17/5, 17/7 क्षेत्रफल क्रमशः 175, 933, 3498, 303, 360, 153 वर्ग फुट प्लाट क्रमांक 4/2 क्षेत्रफल 933 वर्गफुट एवं प्लाट क्रमांक 17/7 क्षेत्रफल 153 वर्गफुट दिनांक 10.10.2025 को पंजीकृत दो पृथक पृथक बैनामाओं के माध्यम से विक्रेता इन्द्रनारायण सिंह तोमर आ. ठाकुर यशवंतसिंह तोमर, निवासी - ग्राम - मानकपुर, तहसील - देवरी, जिला - रायसेन से विधिवत क्रय कर कब्जा दखल पर प्राप्त कर लिया है। दिनांक 10.10.2025 को पंजीकृत उक्त दोनों विक्रयपत्रों के आधार पर आवेदक का नाम, उक्त क्रयशुदा भूमि नजूल अभिलेखों में नियमानुसार दर्ज किया जावे। अपने आवेदन पत्र के साथ 100 रुपए का आवेदन शुल्क का चालान, दोनों बैनामाओं एवं नजूल खसरा की प्रमाणित प्रति छाया प्रतियां प्रस्तुत की गई है। उक्त आवेदन के आधार पर मेरे न्यायालय में प्रकरण सस्थित किया जाकर विचारण में लिया गया है। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति अथवा दावे प्रस्तुत करना हो तो सुनवाई दिनांक 17.11.2025 को मेरे समक्ष स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से विधिवत लिखित रूप से दावा आपत्ति पुष्टि के दस्तावेजों सहित दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है । नियत समय सीमा के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 24.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी ।
जारी दिनांक- 24.10.2025
सुनवाई दिनांक - 17.11.2025
अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) एवं नजुल अधिकारी गाडरवारा

खबर संक्षेप

ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों का जिला पंचायत सीईओ ने लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत कटकोना, बैहाटोला, बेलियाछोट, डोगरियाकला, बेलगांव का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री अमर साय, जनपद पंचायत कोतमा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती ममता मिश्रा, मनरेगा के परियोजना अधिकारी रावेन्द्र पटेल, पीएम आवास के परियोजना अधिकारी डॉ उमेश द्विवेदी, जनपद के सहायक यंत्री जी के मिश्रा तथा सर्व संबंधित जन उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान मनरेगा योजना अंतर्गत एक बगिया मां के नाम की हितग्राही श्रीमती प्रमिला के यहां आम का पौधा रोपण तथा एक अन्य हितग्राही श्रीमती इंद्रवती के पौधारोपण स्थल पहुंचकर पौधरोपण किया गया। जिला पंचायत सीईओ ने भ्रमण के दौरान एक बगिया मां के नाम हितग्राहियों से रूबरू होकर योजना के बारे में जानकारी दी गई तथा पौधारोपण के संरक्षण, संवर्धन के संबंध में मार्गदर्शन किया गया भ्रमण के दौरान उन्होंने स्कूल, आंगनबाड़ी, गौशाला, जल जीवन मिशन के कार्यों का भी जायजा लिया तथा अन्य हितग्राहियों से चर्चा कर जानकारी ली व मौके पर कार्यों के संबंध में संबंधित अधिकारी, कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर से मझगवां लैंपस प्रबंधक यादवेंद्र को हटाने की मांग

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष और किसानों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मझगवा (फुनगा) के प्रबंधक यादवेंद्र गौतम को हटाने जाने के सम्बन्ध में रमेश सिंह पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष के साथ कई गांव के किसानों ने जिला कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर दिलीप पाण्डेय को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में मझगवा लैंप्स प्रबंधक यादवेंद्र मिश्रा पर धनगंवा, धनपुरी, मंटोलिया, बनगवा, पसला, बिजौडी, कोलमी, रक्सा, फुनगा के किसानों ने आरोप लगाया है कि प्रबंधक द्वारा किसानों को समय पर खाद, चेक ना देने तथा उनका बकाया ऋण जमा नहीं करने के साथ ही अन्य कई कार्यों को लेकर किसानों को हमेशा ही परेशान करना आम बात हो गई है, जिसके कारण हम सभी किसान प्रबंधक यादवेंद्र गौतम से काफी परेशान हो चुके है, ऐसा प्रतीत होता है कि कभी कोई अप्रिय घटना न घटित हो जाए। लैंप्स प्रबंधक के कृत्यों से परेशान किसानों द्वारा जिला कलेक्टर से मांग की गई कि उक्त परिस्थितियों को देखते हुए मंझगवा लैंप्स प्रबंधक को तत्काल हटाने की की कार्यवाही की जाए। मेरा कार्यक्षेत्र धनगवा पैक्स मंझगवा अंतर्गत आता है, मेरी शिकायत है कि समिति प्रबंधक यादवेंद्र गौतम द्वारा समय पर ऋण नगद प्रदाय नहीं किया जाता है, एवं अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है, इनका स्थानांतरण अन्यत्र कही कर दिया जाए वही मझगवां के कनक दास पटेल ने कहा कि मेरे द्वारा समिति से नियमित लेन देन किया जाता है, मेरे द्वारा 18 जून को रु. 20886 अपना कर्ज बालकृष्ण मिश्रा के पास जमा किया किंतु आज तक मुझे रसीद प्रदान नहीं किया गया है और मेरे केसीसी कार्ड में कर्ज चुकता कर दिया गया है, किंतु ऋण आज भी बकाया बताया जा रहा है, इस तरह मेरे साथ धोखाधड़ी किया गया है। तेजबली पटेल निवासी धनगवां ने शिकायती लहजे मे बताया कि मेरे द्वारा पैक्स मंझगवा अंतर्गत खाद, बीज, नगद ऋण का लेन देन किया जाता है, मै समय अवधि में अपना ऋण प्रबंधक यादवेंद्र गौतम को जमा करता हूँ, परन्तु 27 मई को रु. 10000 एवं 24 जून को रु. 4000 जमा किया गया है, किंतु ऋण आज भी बकाया बताया जा रहा है। बैंक शाखा अनूपपुर में भी ऋण बकाया बताया जा रहा है। मेरे केसीसी कार्ड में ऋण जमा कर दिया गया है, इस तरह मेरे साथ धोखाधड़ी किया जा रहा है। मेरा कर्ज जमा कराते हुए इनका स्थानांतरण कर दिया जाए।

स्वास्थ्य एवं दिव्यांगजन शिविर व मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने दिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश

डिंडौरी

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 9 नवंबर 2025 को जनजाति कल्याण केन्द्र बरगांव में प्रस्तावित स्वास्थ्य एवं दिव्यांगजन शिविर तथा 1 नवंबर को मनाए जाने वाले मध्यप्रदेश स्थापना दिवस की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, नगर परिषद, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, शिक्षा, जन अभियान परिषद, नेहरू युवा केन्द्र, कृषि, ग्रामीण आजीविका मिशन, जनपद पंचायत और जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपीं। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में आमजन को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्टर ने बताया कि इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में सभी विभाग अपनी-अपनी गतिविधियों की प्रदर्शनी भी लगाएंगे, ताकि ग्रामीण अंचलों के नागरिक शासन की योजनाओं से सीधे जुड़ सकें। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में शामिल होकर लाभ उठाएं।मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन को लेकर कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने और सभी शासकीय भवनों में आकर्षक रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण 31 अक्टूबर तक हर हाल में किया जाए, अन्यथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने बताया कि लगभग 1500 छात्रवृत्ति प्रकरण लंबित हैं, जिनका निराकरण शीघ्र किया जाए। उन्होंने आदेश दिया कि दो दिवस के भीतर सभी प्रकरण तैयार कर उनके हस्ताक्षर उपरांत स्वयं भोपाल जाकर निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके।बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं अन्य एसडीएम एवं जनपद सीईओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े।

सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी ने किया जल जीवन मिशन कार्य एवं स्कूल-आंगनबावड़ियों का औचक निरीक्षण

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डिंडोरी श्री दिव्यांशु चौधरी द्वारा विकासखंड मेहंदवानी के ग्राम बुल्दा, पिंडरूखी एवं अमरपुर का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान सीईओ ने ग्राम पिंडरूखी में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला एवं आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से पढ़ाई-लिखाई से संबंधित जानकारी ली तथा विद्यालय के प्राचार्य से बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर में स्थापित हैंडपंप का क्लोरिनेशन कराने हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री को आवश्यक निर्देश दिए। इसी दौरान ग्राम पिंडरूखी की नल-जल योजना का अवलोकन किया, ट्रांसफार्मर खराब होने से योजना बंद रही। विद्युत विभाग को तत्काल ट्रांसफार्मर बदलने के निर्देश दिए, जिस पर विभाग द्वारा नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। लगभग डेढ़ माह से बंद नल-जल योजना के चालू होने पर ग्रामवासियों में उत्साह देखा गया। सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम में छूटी बसाहटों में घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को शीघ्र पाइपलाइन बिछाने के निर्देश भी दिए।ग्राम अमरपुर में नल-जल योजना के निरीक्षण के दौरान पेयजल आपूर्ति में आ रही समस्या के समाधान हेतु जल निगम मर्यादित को 7 दिवस के भीतर पाइपलाइन बिछाने एवं नल कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं ग्राम के डगवेल में क्लोरिनेशन कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश भी प्रदान किए। ग्राम बुल्दा में नल-जल योजना चालू पाई गई। इस अवसर पर सीईओ ने ग्राम के सरपंच को नियमित रूप से जलकर की वसूली करने के निर्देश दिए, ताकि योजना का सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। भ्रमण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री अफजल अमानुल्लाह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मेहंदवानी प्रमोद ओझा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री, उपयंत्री, संबंधित ग्रामों के सरपंच-सचिव एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कंचनपुर में पानी संकट से भड़के ग्रामीण, पंचायत भवन में जड़ा ताला

मौके पर पहुंचे SDM और तहसीलदार

शहपुरा। डिंडोरी जिले के कंचनपुर ग्राम में पेयजल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। लंबे समय से पानी की किल्लत झेल रहे ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा। नाराज़ ग्रामीणों ने पंचायत भवन में ताला जड़ दिया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया।कंचनपुर ग्राम पंचायत में शुक्रवार को पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने बड़ा कदम उठाया।

गांव में लगातार कई दिनों से नलों में पानी नहीं आने और जलापूर्ति व्यवस्था ठप होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने पंचायत भवन का घेराव कर ताला लगा दिया। मामले की जानकारी मिलते ही एसडीएम शहपुरा, तहसीलदार, एवं PHE विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत के बाद भी सचिव और पंचायत कर्मियों द्वारा समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा ने मौके पर ही PHE विभाग को तत्काल अस्थायी व्यवस्था करने के निर्देश दिए, जिसके तहत वाल्व बदलकर पानी की सप्लाई चालू की गई। साथ ही सचिव की लापरवाही की जांच के आदेश भी दिए गए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे पुनः आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने की निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक

समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, मध्यप्रदेश सड़क प्राधिकरण, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण (भवन), जनजातीय कार्य विभाग, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सिंचाई विभाग, जल निगम, हाउसिंग बोर्ड, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, नगर परिषद डिंडोरी एवं शहपुरा, शिक्षा विभाग, सर्व शिक्षा अभियान, वाटरशेड और खनिज विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने निर्माण एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि विभागीय सहयोग से ही योजनाएं समय पर पूरी होंगी। बैठक के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यह मुद्दा उठाया गया कि सड़क निर्माण के दौरान कई बार ठेकेदारों द्वारा पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर दी जाती है, जिससे पेयजल आपूर्ति बाधित होती है। इस पर कलेक्टर ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जो भी ठेकेदार पेयजल पाइपलाइन उखाड़ेंगे, उन्हें तत्काल उसे यथावत रूप में पुनः स्थापित करना होगा, ताकि आमजन को पानी की परेशानी न हो। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें और गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करें। बैठक में सभी निर्माण विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति अभियान में युवाओं की बढ़ी भागीदारी

सेल्फी पॉइंट बना आकर्षण का केंद्र, युवाओं ने दिया व्यसन मुक्त समाज का संदेश

डिंडौरी। जिले में चल रहे नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, छात्र-छात्राओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा नशा मुक्त भारत स्वस्थ भारत थीम पर आधारित सेल्फी पॉइंट, जहाँ लोगों ने सेल्फी लेकर नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं ने नशा छोड़ो जीवन जोड़ो और व्यसन मुक्त बने युवा सुरक्षित बने भविष्य जैसे प्रेरक संदेशों के साथ तस्वीरें साझा कीं। इस पहल का उद्देश्य आमजन की भागीदारी को बढ़ाना और सोशल मीडिया के माध्यम से नशा विरोधी अभियान को व्यापक रूप देना रहा।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय उपसंचालक श्याम सिंगौर, मनरेगा परियोजना अधिकारी प्रदीप शुक्ला, जिला पंचायत अतिरिक्त परियोजना अधिकारी राम जीवन वर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने सेल्फी पॉइंट के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया और समाज को व्यसन मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया वक्ताओं ने अपने उद्बोधनों में कहा कि नशे की लत समाज और परिवार दोनों को कमजोर करती है, और इससे मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहकर अपने आस-पास के लोगों को भी इस दिशा में जागरूक करें।कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने नशा मुक्त भारत – स्वस्थ भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करने का प्रण लिया।

शहपुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जुआरियों पर शिकंजा, 3.74 लाख का मशरूका बरामद

शहपुरा

अनैतिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शहपुरा पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते नौ लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से छः वाहन सहित कुल मशरूका 3,74,050 जब्त किए हैं।

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशों के पालन में, पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के आदेशानुसार तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अजय तिवारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार, 23 अक्टूबर की देर रात शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार को निवास रोड स्थित तेंदूपत्ता गोदाम के सामने एमपीटी के पास जुआ खेलने की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई, जहां से 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया। सभी के विरुद्ध धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी अनुराग जामदार, सहायक उपनिरीक्षक विपिन जोशी, राकेश यादव, नंदकिशोर झारिया, प्रधान आरक्षक कमलेश मरावी एवं आरक्षक अभिषेक पांडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्बाइड गन एवं अवैध आतिशबाजी पर सख्त निगरानी

डिंडौरी। मध्यप्रदेश के अन्य जिलों में दीपदान एवं आतिशबाजी के दौरान हुए हादसों में कई लोग घायल हुए हैं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने जिले में अवैध आतिशबाजी की रोकथाम एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में पटाखा विक्रय केन्द्रों का निरीक्षण करें।कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्बाइड गन या अन्य अवैधानिक रूप से विक्रय की जा रही आतिशबाजी सामग्री मिलने पर तत्काल छापामार कार्यवाही करते हुए दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाए।

निर्देशों के अनुपालन में एसडीएम डिंडोरी सुश्री भारती मेरावी के नेतृत्व में नगर के पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किसी भी दुकानदार के पास कार्बाइड गन नहीं पाई गई। इसी प्रकार तहसील बजाग एवं शहपुरा में भी निरीक्षण किया गया, जहां किसी भी पटाखा दुकान में कार्बाइड गन या अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं नहीं मिलीं कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कहा कि जिले में सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है, अतः सभी अधिकारी सतत निरीक्षण करते रहें एवं नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जुआ खेलते 10 आरोपी गिरफ्तार 4 लाख 46 हजार 660 रुपये का मशरूका जब्त

डिंडौरी।

अनैतिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत डिंडौरी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सतीश द्विवेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे के नेतृत्व में ग्राम ओरई में जुआ खेलते हुए 10 आरोपियों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। सभी के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे के साथ सहायक उपनिरीक्षक अखिलेश श्रीवास, प्रधान आरक्षक देवेंद्र पटले, आरक्षक आदित्य शुक्ला, रोहित पटेल, मुकेश प्रधान, सतेन्द्र डहेरिया, श्याम तिवारी, विनोद माहौर, आशीष घरड़े, हेमंत झरिया और नरेश उइके की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में इस तरह की अनैतिक गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और भविष्य में भी ऐसे अवैध कार्यों में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अधिवक्ता ने पुलिस कर्मियों के हित में शासन को लिखा पत्र, गृह जिले में तैनाती नीति लागू करने की रखी मांग

डिंडोरी।

प्रदेश पुलिस कर्मियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अधिवक्ता सम्यक जैन ने मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर एक मानवीय और कल्याणकारी तैनाती नीति लागू करने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि पुलिसकर्मियों को तीन वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने के बाद गृह जिले या समीपवर्ती जिले में तैनाती का अवसर प्रदान किया जाए। अधिवक्ता जैन ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में पहले से ऐसी वेल्फेयर नीति प्रभावी रूप से लागू है, जिससे न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा है बल्कि उनकी सेवा गुणवत्ता और प्रशासनिक दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस बल के कर्मी लगातार कठिन परिस्थितियों में जनता की सुरक्षा में तैनात रहते हैं, लेकिन लंबे समय तक परिवार से दूर रहने के कारण उन्हें मानसिक एवं सामाजिक दबाव झेलना पड़ता है। यदि शासन ऐसी नीति लागू करता है, तो इससे बल में स्थायित्व, संतुष्टि और कार्य-क्षमता में व्यापक सुधार होगा और पुलिसकर्मी अधिक समर्पण के साथ शासन एवं जनता की सेवा कर सकेंगे।पत्र में यह भी प्रस्ताव रखा गया है कि शासन "मध्य प्रदेश पुलिस कर्मी स्थानांतरण एवं वेल्फेयर नीति–2025" के नाम से नई नीति अधिसूचित करे, जिसमें तीन वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर गृह या निकटवर्ती जिले में पोस्टिंग का अधिकार या प्राथमिकता सुनिश्चित की जाए। क्योंकि पुलिस बल शासन का चेहरा है, यदि उसे मानवीय दृष्टिकोण से सहयोग मिलेगा, तो वह और अधिक प्रभावी ढंग से जनता की सेवा कर सकेंगे।उन्होंने उम्मीद जताई कि शासन इस विषय पर गंभीरता से विचार करेगी और राज्य के हजारों पुलिस कर्मियों के हित में यह नीति लागू कर कल्याणकारी उदाहरण स्थापित करेगी।यह पहल यदि स्वीकार की जाती है, तो यह न केवल पुलिस बल के मनोबल को सशक्त करेगी बल्कि शासन जनता के संबंधों को और अधिक विश्वासपूर्ण बनाएगी।

जिले में दिव्यांगजन एवं वृद्धजन होंगे लाभान्वित-5 दिवसीय उपकरण चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर का होगा

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एएलआईएमसीओ) जबलपुर द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के समन्वय से जिले में 5 दिवसीय उपकरण चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य एडिप योजना के तहत दिव्यांगजन तथा वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराना है। शिविरों का आयोजन विकासखंड स्तर पर निम्नानुसार किया जाएगा 27 अक्टूबर 2025 को विकासखंड करंजिया, 28 अक्टूबर समनापुर, 29 अक्टूबर डिंडौरी, 30 अक्टूबर शहपुरा एवं 31 अक्टूबर 2025 को विकासखंड मेहंदवानी में आयोजित किए जाएंगे इन शिविरों में पात्र दिव्यांगजन एवं वृद्धजन का चिन्हांकन एवं परीक्षण किया जाएगा। पात्र लाभार्थियों को बैसाखी, व्हीलचेयर,मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, सामान्य ट्राइसाइकिल, वॉकर, कान की मशीन, कृत्रिम अंग, ब्लाइंड स्टिक, सुगम्य केन सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे दिव्यांगजन अपने समग्र आईडी, आधार कार्ड, आय प्रमाणपत्र अथवा बीपीएल कार्ड, दिव्यांग प्रमाणपत्र/यूडीआईडी कार्ड के साथ पंजीयन कर सकते हैं। वहीं वृद्धजन आय प्रमाणपत्र अथवा बीपीएल/नरेगा कार्ड और आधार कार्ड के साथ पंजीयन करा सकेंगे कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने सभी जनपद पंचायत सीईओ, नगर परिषद सीएमओ, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, मोबिलाइजर तथा वार्ड प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को शिविरों तक पहुंचाकर योजनाओं का लाभ दिलाएं इस पहल से जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक सहायक उपकरण प्राप्त होंगे, जिससे उनके जीवन में आत्मनिर्भरता और सहजता बढ़ेगी।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

राष्ट्र चिंतन में दिव्यांगता बोनी साबित कर रहे संजय टुडू

तेंदूखेड़ा। राष्ट्र के प्रति समर्पण चिंतन बहुत जरुरी है। राष्ट्र से ही हमारा गौरव है। ऐसा ही संदेश देने निकले झारखंड निवासी संजय टुडू जो स्वयं एक हाथ और एक पैर से दिव्यांग हैं। साइकिल से भारत भ्रमण पर निकले हैं। तेंदूखेड़ा पहुंचने पर उनसे मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया कि वह देश भ्रमण पर निकले हैं लोगों को बताना चाहतें हैं कि राष्ट्र चिंतन और सेवा में दिव्यांगता आड़े नहीं आनी चाहिए। प्रतिदिन 70 से 80 किमी की यात्रा कर लेते हैं जहां रात हो जाती है वहीं बसेरा कर लेते हैं।लोग आ जाते हैं खाने पीने की व्यवस्था भी कर देते हैं सुबह होते ही फिर प्रस्थान कर जाते हैं।सुबह से दोपहर तक फिर शाम को अंधेरा होने तक यात्रा करते हैं। दोपहर में भोजन करने के बाद विश्राम फिर वही रुटीन।

संगठन सृजन अभियान के तहत बैठक आज

तेंदूखेड़ा। विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान विस्तार हेतु महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत बूथ लेवल एजेंट बी एल ए 2 सेक्टर मंडलम के पदाधिकारियो का आवश्यक सम्मेलन का आयोजन पूर्व विधायक संजय शर्मा के नेतृत्व में दोपहर दो बजे से लीला पेलैस राजमार्ग में रखा गया है।जिसमे प्रमुख अतिथि ललित सेन (प्रदेश प्रभारी आरिफ मसूद विधायक भोपाल दीवान शैलेन्द्र सिंह पी पी सी सचिव श्रीमती सुनीता पटेल जिला अध्यक्षमनीष राय विधानसभा प्रभारी प्रमुख रुप से उपस्थित रहेंगे। सभी BLA 2 सेक्टर मंडलम पदाधिकारियो से उपस्थिती की अपील ओमप्रकाश पटेल अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी चाँवरपाठा ने की है।

आर्यिका संघ का मंगल विहार

तेंदूखेड़ा। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आचार्य श्री समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या आर्यिका सिद्धान्तमती माता जी आर्यिका पुनीत मति माता जी आर्यिका विनय मति माता जी ससंघ का वर्षायोग उपरांत तेन्दूखेड़ा से शुक्रवार को मंगल विहार शहपुरा-जबलपुर तरफ हो गया है। रात्रि विश्राम समीपी ग्राम गुटोरी में होगा।पिछले चार माह में नगर में एक भक्ति मय वातावरण बना रहा।

बिजली के खंबे बन रहे प्रचार प्रसार का माध्यम

आउट डोर विज्ञापन अधिनियम की उड़ रही धज्जियां

नपा कार्रवाई कर वूसले राजस्व

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा विद्युत आपूर्ति के लिए खंबे लगाए गए है जिनका उपयोग अब विद्युत आपूर्ति के साथ साथ प्रचार - प्रसार मे भी किया जाने लगा है जो नियमों के पूरी तरह विपरीत है। नगर पालिका प्रशासन मूक दर्शक बनकर उक्त कारनामों को शांति धारण कर देख रहा है। जबकि नगर पालिका प्रशासन को चाहिए की खंबो पर फ्लेक्स लगाने वालों तथा फर्म पर ठोस कार्रवाई करते हुए उनसे जुर्माना भी वसूला जा सकता है। लेकिन नपा की उदासीनता के कारण जिला मुख्यालय मे अवैध बैनर पोस्टरों की भरमार है। शासकीय संपत्तियों पर बैनर पोस्टर लगाना चिपकाना मध्यप्रदेश आउटडोर मीडिया विज्ञापन नियम 2017 वर्जित है। नगर पालिका तथा जिला प्रशासन की अनदेखी के कारण सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है और प्रशासन मूकदशक बना हुआ है।

बिजली के खंबों पर लगे पोस्टर

जिला मुख्यालय मे बिजली के खंबो सहित अनेकों स्थानों पर बेनर पोस्टर लगाकर खुले आम प्रचार प्रसार किया जा रहा है और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। नगर पालिका व विद्युत विभाग भी कार्रवाई के लिए सक्षम है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी उक्त समस्या पर ध्यान देना ही नही चाहते। पूरे प्रदेश में मध्यप्रदेश आउटडोर मीडिया विज्ञापन नियम 2017 प्रभावशाली है वावजूद इसके नरसिंहपुर नगरपालिका क्षेत्रांतर्गत नगर के प्रमुख चैराहों और सड़कों किनारे बिजली के खम्बों में अवैध रूप से विज्ञापन के बैनर पोस्टर काफी समय से लगातार लगाये जाते रहते हैं यदा कदा दिखावे के लिए कुछ एक कार्यवाही भी की जाती रही हैं। अवैध बैनर पोस्टरों की सूची में सबसे महत्वपूर्ण और दिलचस्प बात यह है कि शहर और जिले में अपने आपको बड़े व्यवसायिक और प्रतिष्ठित संस्थान बताने वाली फर्मो के अपने अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के भी अवैध विज्ञापन पिछले काफी समय से सड़कों किनारे और प्रमुख चैराहों पर लगाये जा रहे हैं, नगर की प्रमुख मॉडल रोड पर लगे बिजली के खम्बों पर भी अवैध तरीके से विज्ञापन बोर्डो को लाइनवार लगाया जा रहा जबकि इसकी जिम्मेदारी बिधुत विभाग की है किंतु वह भी इन सबसे अंजान बना हुआ है।

राजस्व की वूसली करे प्रशासन

नगर में जिस तरह से यह अवैध विज्ञापनों के बोर्ड बैनर लगे हैं इन पर प्रतिदिन के हिसाब से शस्ति अधिरोपित कर वसूलने का प्रावधान है वावजूद इसके वसूली तो दूर की बात इन्हें सड़क किनारे लगे होने के बाद भी नोटिस तक जारी करने में अनदेखी की जाती है। शासकीय स्कूलों, पार्कों व कार्यालय के आसपास लगे खबों और स्थानों पर दो खम्बे गाड़कर बोर्ड बैनर टांग दिये हैं। देखा जाये तो स्वच्छता की रैंकिंग में 314 अंक लाने वाली नगरपालिका नरसिंहपुर ने पूर्व में शहर में लगी व्यवस्थित होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर को शहर के सौन्दर्यकरण के नाम पर 2009 व 2019 में जेसीबी से तुड़वा कर अलग कर दिया गया था। नगर मे लगे बेनर पोस्टर यातायात को भी बाधित कर रहे है। प्रशासन ठोस कार्रवाई कर उन्हे हटाये तथा राजस्व की वसूली करे।

नगर पालिका नहीं दे रही ध्यान

नगर में लगे अवैध बैनर पोस्टरों पर नगर पालिका द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि नगर पालिका का दायित्व बनता है कि नगर मे अवैध बैनर पोस्टर हटाने की कार्रवाई की जाए। नगर मे अनेकों स्थानों पर शासकीय संपत्तियों पर विज्ञापनों का प्रचार प्रसार किया गया है। लेकिन नगर पालिका द्वारा उक्त ओर ध्यान नहीं दे रही है जो चिंता का विषय है। लोगों द्वारा अपनी मर्जी के अनुसार विज्ञापनों का प्रचार प्रसार करने के लिए बेनर पोस्टर तथा लेखन कार्य किया

गया है। शहर पूरे अवैध बैनर पोस्टरों से पटा पड़ा है जिस ओर ना तो जनप्रतिनिधियों और न ही प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान है यह भी बड़ा सवाल है। नगर पालिका द्वारा वैधानिक कार्रवाई की जाती है तो बैनर पोस्टरों के मालिकों से शास्ति अधिरोपित कर वसूली कर सकती है।

इनका कहना है

उक्त संबंध मे आपके द्वारा जानकारी दी गई है नियम विरूद्ध लगे बैनर पोस्टरों को अतिशीघ्र हटाने की कार्रवाई कराता हूं।
नीलम चौहान, सीएमओ नपा

3 दिवसीय राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड में मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित 58वीं राज्य स्तरीय सीनियर ओपन स्टेट खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज वरिष्ठ नेता महंत पीतमपुरी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा किया गया। तीन दिवसीय यह खेल महोत्सव 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के 42 जिलों की 42 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें 17 बालिका टीमें 255 खिलाड़ी और 25 बालक टीमें 375 खिलाड़ी शामिल हैं। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ मध्यप्रदेश की प्रतिनिधि खो-खो टीम के चयन का भी आधार बनेगी शुभारंभ अवसर पर अतिथि जालम सिंह पटेल ने कहा कि खो-खो जैसे पारंपरिक भारतीय खेल आज भी युवाओं में टीम भावना, अनुशासन और फिटनेस की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरक बताया और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। खिलाड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मणिनागेन्द्र सिंह फाउंडेशन एवं यूनिटी खो-खो क्लब द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों एवं टीम स्टाफ के आवास, भोजन और आवागमन की संपूर्ण व्यवस्था की गई है आयोजकों ने खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और इस राज्य स्तरीय खेल आयोजन को सफल बनाएं।

कलेक्टर ने किया जिला शिक्षा कार्यालय व पुस्तकालय का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शुक्रवार को जिला शिक्षा कार्यालय और जिला पुस्तकालय नरसिंहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान कार्यालय की साफ- सफाई, सामग्रियों का रखरखाव, क्षतिग्रस्त कमरों एवं सामाग्रियों की मरम्मत और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में रखी गई अनुपयोगी सामाग्रियों को राइट- ऑफ करने के निर्देश दिए। पुराने रिकार्ड व पुस्तकों को व्यवस्थित तरीके से रखने को कहा। कार्यालय में रखी पुस्तकों को मांग अनुसार कार्यालयों या विद्यालयों में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यालय की

नियमित रूप से मॉनीटरिंग करें, कार्यालय को साफ- सुथरा व व्यवस्थित तरीके से रखें। कार्यालय के कर्मचारी नियमित रूप से उपस्थित रहें। कार्यालय के भंडार एवं रिकॉर्डों का नियमित रूप से सत्यापन करें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इसके बाद जिला पुस्तकालय नरसिंहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय में पहुंचे बालक- बालिकाओं से चर्चा की। उनकी प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। पुस्तकालय को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए एक निगरानी समिति का गठन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

समिति से नाम काटने तथा जान से मारने की दी जा रही धमकी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस हरिजन मत्स्य उद्योग सहकारी समिति मर्यादित बचई पं.क्रं. 276 के सदस्यों द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग गई। ज्ञापन मे बताया गया है कि वह टीकाराम बल्द कुंदनलाल वंशकार निवासी चौराखेडा, संतराम बल्द आनंदीलाल वंशकार निवासी चौराखेडा, तुलाराम बल्द गिरवर सिंह मेहरा निवासी बबरिया, नीलू बल्द गोरी सिंह मेहरा निवासी कन्हारपानी, एवं लेखराम बल्द देवी प्रसाद वंशकार चौराखेडा इत्यादि लोग समिति के सदस्य थे तथा मछली पालन कर अपनी रोजी रोटी चलाते थे अनावेदकगणों ने हम लागों के नाम समिति से अलग कर दिए है और इन लोगों ने बबरिया जलाशय समूह वालों को बेच दिया है। तथा हम लोगों को जान से मारने की धकी दे रहे है तथा बचई व डांगीढाना बाजार में छेड़ाछाडी कर रहे है सभी मछवारे कि फिसरमेन कैंडिट कार्ड बन गए है जिस पर भी आपत्ति लगाई गई है। शासन द्वारा जो भी अनुदान की राशि आती है वह हम आवेदकगणों को नहीं मिल पा रही है। जिसका लाभ केवल अनावेदकगण ही प्राप्त कर रहे है जबकि हम लोग भी इस समिति के सदस्य है। इसके वाद भी हमें शासन द्वारा दी जाने वाली अनुदान की राशि क्यों नहीं दी जा रही है।

लाल सिंह लोधी का निधन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस समीपी ग्राम मुड़िया निवासी वरिष्ठ नागरिक लाल सिंह लोधी का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया है आप श्री रामकृपा रेस्टोरेंट और कोहिनूर ढावा के संचालक धर्मेंद्र पटेल, मलखान सिंह, निहाल सिंह के पिताजी थे। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया जहां पर समाज के सभी वर्गो द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

यम द्वितीया पर श्री चित्रगुप्त महाराज का पूजन अर्चन एवं प्रसादी वितरण

गोटेगांव। भूतेश्वर महादेव मंदिर किसानी मोहल्ला गुरुवार में भाई दूज एवं यम द्वितीया पर कायस्थों के आराध्य देव श्री चित्रगुप्त भगवान का पूजन एवं कलम दवात का पूजन किया गया पूजन के पश्चात मंदिर निर्माण संबंधी चर्चा की गई। कायस्थ समाज के सम्माननीय वरिष्ठ नागरिको (महिलाओं एवं पुरुषों)का सम्मान किया गया एवं नन्हे मुन्ने बच्चों का भी पुरस्कार वितरण कर उत्साहवर्धन किया गया 1 पूजन में उपस्थित समस्त सम्माननीय नागरिक -श्रीमती अहिल्या श्रीवास्तव,श्रीमती रामवती श्रीवास्तव, मणिकांता श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव अध्यक्ष-स्नेहलताश्रीवास्तव, निशा श्रीवास्तव सरोज श्रीवास्तव, नंदिनी श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, आशा श्रीवास्तव रश्मि श्रीवास्तव आकांक्षा श्रीवास्तव दीपाली श्रीवास्तवश्री अशोक श्रीवास्तव, श्री संतोष श्रीवास्तव, श्री गोविंद श्रीवास्तव,श्री प्रभात श्रीवास्तव , श्री नमो नारायण श्रीवास्तव, श्री केपी खरे, श्री अजय श्रीवास्तव, श्री सत्येंद्र खरे संजय श्रीवास्तव अनिल श्रीवास्तव,नीलेश श्रीवास्तव श्री मनोज श्रीवास्तव, राहुल वर्मा शुभांक,अंबुज, अभय ,सजल, चंद्रकांत श्रीवास्तव, समस्त चित्रांश बंधुओ का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार।

बगासपुर में अवैधानिक रूप से चिन्हित मकानों पर कार्यवाही रोकने कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

गोटेगांव। विधानसभा के अंतर्गत ग्राम बगासपुर में लघु उद्योग विभाग द्वारा प्रोजेक्ट लगाया जा रहा है इस प्रोजेक्ट के तहत ग्राम बगासपुर के लगभग 250 मकानों को चिंन्हित किया गया है जो कि अवैधानिक रूप से किया जा रहा है, इसी मामले को लेकर आज नरसिंहपुर जिला कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सुनीता पटेल के निर्देश पर जितिन राज एवं अरविन्द पटेल के नेतृत्व मे जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौपा गया एवं कार्यवाही रोकने की मांग की गई, ज्ञापन के दौरान जिला एवं गोटेगाँव विधानसभा के कांग्रेस जनप्रतिनिधि एवं बगासपुर के स्थानीय जन मौजूद रहे, ज्ञापन के दौरान जितिन राज ने बताया कि इन मकानों को चिन्हित करने का उद्देश्य क्या है यह अभी तक विभाग द्वारा स्पष्ट नहीं किया गया है जबकि ये मकान प्रधानमंत्री आवास योजना एवं इंदिरा आवास योजना के तहत बने है एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत इनमें शौचालय बने है वहीं पेय जल योजना के तहत इन मकानों में पाइप लाइन डाली गई है जिसका ये ग्रामवासी टैक्स भुगतान भी कर रहे है,जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों का उद्देश्य गरीब श्रमिक पिछड़े दलित कृषक लोगों को लाभ देना है और किसी भी योजना निगम सरकार कंपनी को इन मकानों को तोड़ने का अधिकार नहीं है, एक और सरकार जहां चिल्ला चिल्ला कर गरीबों को मकान देने की बात करती है वहीं दूसरी ओर सरकार दबे पाँव गरीबों के आशियानों को उजड़ने का काम कर रही है।पत्रकारों के माध्यम से जितिन राज ने सरकार से अपील की कि जल्द जल्द से सरकार इस मामले में हस्तक्षेप कर कार्यवाही को रूकवाये एवं अपने वचन का पालन करें अन्यथा कार्यवाही ना रुकने कि दशा मे नरसिंहपुर जिला कांग्रेस बगासपुर की जनता की लड़ाई के लिए हर संभव प्रयास करेगी एवं उग्र आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मेदारी पूर्ण रूप से सरकार की होगी.ज्ञापन के दौरान जितिन राज,अरविंद पटेल,आशीष राय, तिलक चौहान,ब्रजेश चौधरी, संतोष चौधरी,सोनू सिंह,राठौड़ कल्याण चौधरी,गुड्डू चौधरी, सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन, उपस्थित रहे।

पिच्छीका परिवर्तन महोत्सव में उमड़ा भक्ति का सैलाब

तेन्दूखेड़ा। नगर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका सिद्धान्तमती माता जी ससंघ का वर्षायोग उपरांत संयम उपकरण पिच्छीका परिवर्तन बड़े हर्षउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संयम औऱ त्याग धारण करने वाले श्रावकों को पूज्य माता जी की पुरानी पिच्छीका प्राप्त हुई। एवं नयी पिच्छीका देने का सौभाग्य सिद्धांत मति माता जी को शरद कुमार जैन आभा जैन पिंडरई पुनीत मति माता जी को संदीप कुमार कपूर चंद जैन तेंदूखेड़ा विनय मति माता जी को प्रमोद कुमार जैन अनीता जैन पाटन वालों को प्राप्त हुआ। कलश गार्डन में आयोजित इस महोत्सव में ललितपुर मण्डला पिंडरई खुरई शाहपुर बंडा घँसोर धनोरा नरसिंहपुर गोटेगांव देवरी गोरखपुर उदयपुरा सागर भोपाल सहजपुर राजमार्ग डोभी जबलपुर गाडरवारा करेली वरखनंदा आदि स्थानों के श्रावक उपस्थित रहे।गोटेगांव से दिगम्बर जैन महासभा अध्यक्ष उदयपुरा से तारण समाज अध्यक्ष सहित समाज श्रेष्ठयों ने उपस्थिति दर्ज की। पूज्य आर्यिका सिद्धांतमती माताजी ने विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज पिच्छी परिवर्तन के साथ हृदय परिवर्तन भाव परिवर्तन का अवसर है। आज सच्चे अर्थों में संयम का दिवस है क्योंकि यह मयूरपंख की पिच्छी संयम साधना के मार्ग पर चलने वाले साधकों यतियों को अपने संयम के पालन करने में सहयोगी बनती है। सभी को यह दुर्लभ मानव तन पाकर संयम के पथ पर आगे बढना चाहिए क्योंकि संयम से इस मानव जीवन की शोभा है।संयम रुपी श्रृंगार ही इस नर तन का सच्चा श्रंगार है।संयम रहित जीवन दीमक लगे वृक्ष के समान है जो कव धराशायी हो जाये जिसका कोई भरोसा नहीं है।साधक जव भी किसी स्थान पर वैठते है। कोई उपकरण रखते हैं।उठाते हैं तो उसके पूर्व उस स्थान का अत्यंत मृदु मयूरपंख की पिच्छी से मार्जन करते हैं जिससे उस स्थान पर रहने वाले सूक्ष्म जीवों को वहाँ से अलग करते हैं और सूक्ष्मजीवों की रक्षा करके अपने अहिंसा महाव्रत का पालन करते हैं क्योंकि सबसे बडा व्रत सबसे बडा धर्म अहिंसा धर्म है। पिच्छी में जो लकड़ी लगी है वह दृढता श्रद्धा धर्म पर सच्चे विश्वास का प्रतीक है ।रस्सी सम्यग्ज्ञान का प्रतीक है जो लकडी से मयूर पंखों को व्यवस्थित बांधकर रखती है । मयूरपंख सम्यकचारित्र का प्रतीक है। प्रत्येक क्रिया विवेक पूर्वक करें जिससे जीव हिंसा से बचा जा सके। मयूरपंख अत्यंत मृदु, कोमल होते हैं। धूल पसीनाआदि इनसे चिपकने नहीं है। मयूर स्वेच्छा से अपने पंखों को छोडता है उन पंखों से ही पिच्छी बनायी जाती है।